

प्रेषक,

रंजना,  
अपर सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
माध्यमिक शिक्षा,  
उत्तराखण्ड, देहरादून।

माध्यमिक शिक्षा अनुभाग-3

देहरादून दिनांक: 15 फरवरी, 2016

विषय: वित्तीय वर्ष 2015-16 में विभिन्न मानक मदों में पुनर्वियोग के माध्यम से धनराशि स्वीकृत करने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या: अर्थ-1/30654/5क(15)/01/2015-16 दिनांक: 01 फरवरी, 2016 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि माध्यमिक शिक्षा विभाग के अन्तर्गत महानिदेशक विद्यालयी शिक्षा कार्यालय हेतु विभिन्न मानक मदों में आवश्यकतानुसार पर्याप्त धनराशि उपलब्ध न होने के कारण संलग्नक बी0एम0-09 (भाग एक) इंगित विवरणानुसार अनुदान संख्या-11-आयोजनागत के अधीन लेखाशीर्षक 2202-सामान्य शिक्षा, 02-माध्यमिक शिक्षा, 001-निदेशन तथा प्रशासन, 05- महानिदेशक विद्यालयी शिक्षा का कार्यालय के अन्तर्गत मानक मद 08-कार्यालय व्यय में रु0 50 हजार की धनराशि तथा मानक मद 16 व्यावसायिक तथा विशेष सेवाओं के लिए भुगतान में रु0 190 हजार की धनराशि, तथा मानक मद-27 चिकित्सा व्यय प्रतिपूर्ति में रु0 150 हजार की धनराशि इस प्रकार आयोजनागत पक्ष में कुल रुपये 390 हजार (रुपये तीन लाख नब्बे हजार मात्र) की व्यवस्था पुनर्विनियोग के माध्यम से करते हुए उक्त धनराशि चालू वित्तीय वर्ष 2015-16 में स्वीकृत करते हुए व्यय करने की श्री राज्यपाल महोदय निम्नलिखित प्रतिबन्धों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- (क) अवमुक्त की जा रही धनराशि का व्यय उसी मद में किया जायेगा, जिसके लिए यह स्वीकृति दी जा रही है एवं व्यय करते समय विभागीय तथा वित्तीय नियमों/निर्देशों का पालन सुनिश्चित किया जायेगा। धनराशि का व्यय उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2008 के प्रतिबन्धों तथा अन्य वित्तीय नियमों के अधीन क्रय प्रक्रिया संपादित करते हुए किया जायेगा। क्रय प्रक्रिया का संपादन सक्षम स्तर के अधिकारी की अध्यक्षता में गठित क्रय समिति के माध्यम से निविदा की शर्तों के अधीन किया जायेगा।
- (ख) व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति की आवश्यकता हों, उनमें व्यय करने से पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।
- (ग) यह उल्लेखनीय है कि व्यय में मितव्ययिता नितान्त आवश्यक है व्यय करते समय मितव्ययिता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
- (घ) स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय वित्त विभाग के शासनादेश संख्या: 400/XXVII (1) /2015, दिनांक: 1 अप्रैल, 2015 तथा शासनादेश संख्या:1336/XXVII(1)/2015 दिनांक: 17 नवम्बर, 2015 एवं 1349/XXVII(1)/2015, दिनांक 26 नवम्बर, 2015 में उल्लिखित समस्त शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

(ड़) मितव्ययता के सम्बन्ध में जारी किये गये शासनादेशों अथवा भविष्य में जारी होने वाले शासनादेशों का विशेष रूप से पालन किया जायेगा।

2. इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2015-16 के अनुदान संख्या-11 के अधीन लेखाशीर्षक 2202-सामान्य शिक्षा, 02-माध्यमिक शिक्षा, के अन्तर्गत संलग्नक (बी0एम0-9) में उल्लिखित सम्बन्धित ब्यौरावार शीर्षक/सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जायेगा।

3- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या: 359(P)XXVII(3)/2015-16, दिनांक: 10 फरवरी, 2016 में प्राप्त उनकी सहमति से निर्गत किये जा रहे हैं

संलग्न :यथोक्त

भवदीया,  
(रंजना)  
अपर सचिव।

पृष्ठाकन संख्या: 251(1)/XXIV-3/16/02(181)15तददिनांक।

प्रतिलिपि: निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार,उत्तराखण्ड देहरादून।
- 2- निजी सचिव, सचिव विद्यालयी शिक्षा उत्तराखण्ड शासन।
- 3- निदेशक, कोषागार, 23-लक्ष्मी रोड़, डालनवाला, देहरादून।
- 4- कोषाधिकारी, देहरादून।
- 5- बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय सचिवालय।
- 6- वित्त विभाग (अनुभाग-3) उत्तराखण्ड शासन।
- 7- एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर,देहरादून।
- 8- गार्ड फाइल।

आज्ञा से,  
(महिमा)  
उप सचिव।